

12.41 hrs.

PETITION RE ENQUIRY INTO
AFFAIRS OF CONTAINERS AND
CLOSURES LIMITED AND ITS
NATIONALISATION

SHRI SAUGATA ROY (Barrack-
pore) I beg to present a petition
signed by Shri Raghunath Ghosh,
General Secretary Containers and
Closures Staff and Shramik Union
Gorifa 24—Parganas regarding en-
quiry into affairs of the Containers
and Closures Limited and its nationa-
lisation

ally Ministers make statements in
English because in this House we do
not understand Hindi. If he wants,
he can lay the Hindi version on the
Table, that was the practice all along.
May I request him to speak in English?

MR SPEAKER The Member had
raised it in Hindi, you were not pre-
sent when the Member spoke in Hindi
that is why he is making a statement
in Hindi. There is no point of order
in this

12.43 hrs

12.41½ hrs

MATTERS UNDER RULE 377

STATEMENT RE REOPENING OF
RAILWAY SPONSORED STUDENTS'
HOSTEL AT PATNA JUNCTION

(1) REPORTED PRESS RELEASE BY THE
RAILWAYS ABOUT HOLDING UP OF RAIL-
WAY WAGONS BY COAL INDIA LTD ETC

रेल मंत्री (प्रो० मधु बबबते) : अध्यक्ष
महोदय, कल श्री राम विलास पासवान न
मई 1974 में पटना में रेलवे सहायता प्राप्त
छात्रावास के बन्द किये जाने तथा इसे पुन
न खोलने के सम्बन्ध में किये गये
हाल के निणय का उल्लेख किया। मैंने कल
सदन को आश्वासन दिया था कि एक दिन
के अन्दर इस सम्बन्ध में अंतिम निर्णय कर
लिया जायेगा। मुझे यह सूचित करते हुए
प्रसन्नता होती है कि पटना में महायता प्राप्त
छात्रावास जा बन्द होने के 15 वर्ष पूर्व से
चल रहा था को पुन खोलने का आज निर्णय
कर लिया गया है। छात्रावास के सुचारुरूप
में संचालन की व्यवस्था करने के लिये पूर्व
रेलवे के महाप्रबन्धक को आवश्यक अनुदेश
जारी किये जा रहे हैं। यह भी निश्चय किया
गया है कि आवेदन-पत्रों की समुचित छान-
बीन की जायेगी ताकि केवल पात्र छात्रों को
ही छात्रावास में भर्ती किया जाये।

श्री निर्मल चन्द्र जैन (सिवनी) : 27
मार्च का रेलवे ने एक प्रेस विज्ञापित जारी की
है जा 28 मार्च का हिन्दुस्तान टाइम्स और
टाइम्स ट्राय इन्डिया में छपी है। उसमें
इन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

'The blame must surely rest on
(Coal India Ltd, the collieries, the
steel plants and some other thermal
power plants who receive coal on
priority but hold up the wagons'

रेलवे का यह कहना है इस प्रेस विज्ञापित के
द्वारा कि 10 हजार बैगन प्रति दिन इन को
देते हैं, जिन में से कोल इन्डिया लि० के खदानों
से 900 बैगन प्रति दिन नहीं भर पाते हैं
और इस तरह से 9 प्रतिशत शक्ति का नुकसान
होता है और कोयला खदानों के मुह पर पड़ा
रहता है। इस्पात के कारखानों में स्टील
प्लान्ट्स में 2300 बॉक्स बैगन प्रति दिन
नहीं भरे जाते हैं और वे यहाँ पर पड़े रहते हैं
और बर्मेस पावर प्लान्ट 300 बैगन प्रति दिन
भरने में असमर्थ रहते हैं। इस के कारण

SHRI N SREEKANTAN NAIR
(Quilon) On a point of order Gener